कक्षा छठी

पाठ 2

सबसे बड़ा धन

बहुत समय पहले की बात है कि मुक्तसर आश्रम में कपिल मुनि रहते थे। एक दिन उस मुनि के पास एक गरीब आदमी राहुल आया। कपिल मुनि ने उससे आने का कारण पूछा तो वह कहने लगा, "बाबा जी, कोई ऐसा उपाय बताओ कि मेरे पास भी बहुत धन हो जाए अथवा कोई ऐसा मन्त्र ही सिखा दो जिससे मैं इतना धन कमा लूँ कि जीवन भर मुझे कमी न रहे और मैं आराम से बैठकर खा सकूँ।"

कपिल मुनि ने थोड़ी देर तक सोचा, फिर राहुल से पूछा, "अच्छा, पहले यह बताओ क्या तुम्हारे पास बिल्कुल भी धन नहीं है?" राहुल ने गिड़गिड़ाते हुए कहा, "नहीं, महाराज, एक पैसा भी नहीं है।" कपिल मुनि ने फिर पूछा, "कोई मकान, कोई खेत, कुछ तो होगा?" राहुल ने दु:खी होकर कहा, "कुछ भी नहीं है।"

कपिल मुनि बोले, "अच्छा यदि तू अपनी दोनों आँखें मुझे दे दे, तो मैं तुम्हें एक लाख रुपये दूँगा।"

राहुल ने कुछ देर सोचा और बोला, "फिर मैं देखूँगा कैसे? नहीं, आँखें तो मैं नहीं दे सकता।"

मुनि फिर बोले, "अच्छा तो दोनों हाथ दे दे।"

राहुल सोच में पड़ गया फिर बोला, "फिर मैं काम कैसे करूँगा? हाथ देकर तो मैं कुछ भी नहीं कर सकूँगा। यह नहीं हो सकता।"

)

मुनि ने कहा, ''अगर तू अपने दोनों पैर दे सके तो मैं तुझे दो लाख रुपये दे सकता हूँ।''

राहुल बहुत घबराया और कहने लगा, ''पैरों के बिना तो मैं चल-फिर भी नहीं सकूँगा। न कहीं आ सकूँगा न कहीं जा सकूँगा इसलिए पैर तो मैं बिल्कुल नहीं दे सकता।''

कपिल मुनि को गुस्सा आ गया। वह बोले, ''सोच लो, तुम्हें धन चाहिए और मैं तुम्हें धन देना चाहता हूँ। परन्तु जब तू कुछ देगा, तभी तो बदले में तुझे धन मिलेगा। यदि तू अपना मुख मुझे दे दे तो मैं तुझे दस लाख रुपये दे सकता हूँ।''

राहुल कपिल मुनि की बात सुनकर हैरान रह गया। वह बोला, ''हे मुनिराज! यदि मैं अपना मुख ही आपको दे दूँगा तो मैं कैसे खाऊँगा? कैसे पीऊँगा? खाये-पीये बिना जीवित कैसे रहूँगा। न किसी से बात कर सकूँगा। आप बतायें फिर धनवान बनने का लाभ ही क्या है?''

अब तो कपिल मुनि तंग आ गए। वह बोले ''तुम देना तो कुछ भी नहीं चाहते। बिना कुछ दिए ही धन प्राप्त करना चाहते हो। क्या कभी ऐसा हो सकता है? मैं जो तुमसे लेना चाहता हूँ उसमें से तुम कुछ भी नहीं दे सकते। अच्छा, तुम ही बताओ कि तुम क्या दे सकते हो?''

राहुल ने बहुत सोचा , पर उसकी समझ में कुछ नहीं आया कि अपने शरीर का कौन-सा अंग देकर लाखों रुपये प्राप्त कर ले। वह कुछ नहीं बोला तो कपिल मुनि ने फिर पूछा, ''क्या तुम केवल अपनी जीभ मुझे दे सकते हो?''

राहुल ने कहा, ''नहीं, 'मुनिराज, कभी नहीं।''

कपिल मुनि मुस्करा पड़े और बोले, ''अरे मूर्ख! तू तो कहता था कि तेरे पास एक पैसा भी नहीं है। भगवान ने तुझे एक-एक अंग लाखों रुपयों का दे रखा है । स्वस्थ शरीर ही सबसे बड़ा धन है। इससे मेहनत कर और कमाकर खा । इससे ही तुम्हें जीवन-भर सुख मिलेगा।''

राहुल सब कुछ समझ गया और उसने मेहनत करनी शुरू कर दी। देखते ही देखते वह अमीर बन गया।

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिन्दी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਉਪਾਅ	=	उपाय	ਲੱਖ	=	लाख
ਹੱਥ	=	हाथ	ਪ੍ਰਾਪਤ	=	प्राप्त
ਦੁੱਖੀ	=	दु:खी	ਘਬਰਾਇਆ	=	घबराया
ਪੈਸਾ	=	पैसा	ਮੂਰਖ	=	मूर्ख

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिन्दी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिन्दी शब्दों को लिखें :-

ਜਿਉਂਦਾ	=	जीवित	ਮੂੰਹ	=	मुख
ਨਿਰੋਗ	=	स्वस्थ	ਅਮੀਰ	=	धनवान
ਸਮਾਂ	=	समय	ਨੇੜੇ, ਕੋਲ	=	पास

राजन शर्मा
सुमन सहगल

जालंधर

(3) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो पंक्तियों में दीजिए

प्रश्न (क) कपिल मुनि के आश्रम का क्या नाम था ?

उत्तर- कपिल मुनि के आश्रम का नाम मुक्तसर आश्रम था।

प्रश्न (ख) राहुल कैसा आदमी था ?

उत्तर- राहुल गरीब आदमी था।

प्रश्न (ग) मुनि ने राहुल से सबसे पहले क्या माँगा?

उत्तर- मुनि ने सबसे पहले राहुल से उसकी दोनों आँखें माँगी।

प्रश्न (घ) कपिल मुनि ने राहुल से दस लाख रुपए के बदले में क्या माँगा?

उत्तर- कपिल मुनि ने राहुल से दस लाख रुपए के बदले में उसका मुख माँगा।

(4) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन या चार वाक्यों में लिखें

प्रश्न (क) कपिल मुनि द्वारा राहुल से दोनों आँखें माँगने पर राहुल ने क्या जवाब दिया ?

उत्तर- कपिल मुनि द्वारा राहुल से दोनों आँखें माँगने पर राहुल ने अपनी आँखें देने से मना कर दिया और कहा कि अगर वह अपनी आँखें दे देगा तो देखेगा कैसे ?

प्रश्न (ख) मुनि द्वारा दोनों हाथ माँगने पर राहुल सोच में क्यों पड़ गया ?

उत्तर- मुनि द्वारा दोनों हाथ माँगने पर राहुल इसलिए सोच में पड़ गया क्योंकि उसने सोचा कि अगर वह अपने हाथ दे देगा तो काम कैसे करेगा।

प्रश्न (ग) जब मुनि ने राहुल से उसके दोनों पैर माँगे तो राहुल क्यों घबरा गया ?

उत्तर- जब मुनि ने राहुल से उसके दोनों पैर माँगे तो राहुल यह सोचकर घबरा गया कि अगर वह अपने पैर दे देगा तो वह चल-फिर नहीं सकेगा।

प्रश्न (घ) मुनि द्वारा दस लाख रुपये का लालच देने पर भी राहुल ने अपना मुख उन्हें क्यों नहीं दिया ?

उत्तर- मुनि द्वारा दस लाख रुपये का लालच देने पर भी राहुल ने अपना मुख उन्हें इसलिए नहीं दिया क्योंकि उसने सोचा कि यदि उसने अपना मुख ही दे दिया तो वह किसी से बात कैसे कर सकेगा? वह खायेगा कैसे? पीयेगा कैसे? बिना खाये-पीये वह जीवित कैसे रहेगा?

प्रश्न (ङ) मुनि ने सबसे बड़ा धन किसे कहा?

उत्तर- मुनि ने स्वस्थ शरीर को मनुष्य का सबसे बड़ा धन कहा।

प्रश्न (च) कपिल मुनि द्वारा दी गई सीख से राहुल के जीवन में क्या असर पड़ा ?

उत्तर- कपिल मुनि द्वारा दी गई सीख से राहुल अपने शरीर का महत्व समझ गया और उसने मेहनत करनी शुरू कर दी। देखते ही देखते वह अमीर बन गया।

राजन शर्मा
सुमन सहगल
जालंधर

(5)

ऊपर दिए गए चित्रों के नीचे कुछ शब्द लिखे हुए हैं–

बूढ़ा–जवान, मोटा–पतला, पूरा–आधा । ये शब्द एक दूसरे से उल्ट अर्थ दे रहे हैं अर्थात् **एक दूसरे के विपरीत हैं। ऐसे शब्दों को ही विलोम शब्द कहते हैं।**

6. विलोम शब्दों का मिलान करो :–

गरीब	रोगी
जीवन	दूर
पास	मृत्यु
स्वस्थ	अमीर
बुद्धिमान	दु:खी
सुखी	मूर्ख

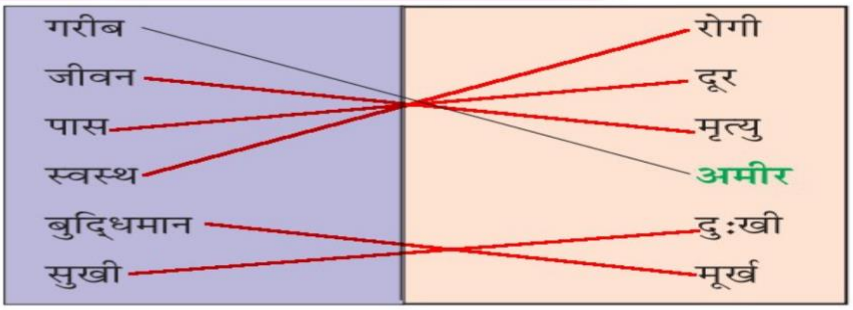

सोचिए और लिखिए

यदि आप राहुल की जगह होते तो क्या करते?

प्रयोगात्मक व्याकरण

(क) **कपिल मुनि मुक्तसर** आश्रम में रहते थे।
(ख) क्या तुम्हारे पास कोई **मकान** है?
(ग) उनको **राहुल** पर **गुस्सा** आया।
(घ) राहुल ने **मेहनत** करने की ठान ली।

उपर्युक्त वाक्यों में '**कपिल मुनि**', '**राहुल**', व्यक्तियों के नाम हैं। '**मुक्तसर** स्थान का नाम है। '**मकान**' वस्तु का नाम है। '**गुस्सा**' भाव विशेष का तथा '**मेहनत**' गुण विशेष का नाम है। अतएव **कपिल मुनि**, **राहुल**, **मुक्तसर**, **मकान**, **गुस्सा** तथा **मेहनत** किसी न किसी के नाम को प्रकट कर रहे हैं। ऐसे पद, जो किसी के नाम का बोध कराएँ, संज्ञा कहलाते हैं।

अतएव, किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

7. निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटिए और बॉक्स में लिखिए

(क) राहुल एक गरीब आदमी था। [राहुल] [गरीब] [आदमी]

(ख) कपिल मुनि ने फिर पूछा, ''कोई मकान, कोई खेत, कुछ तो होगा?''
[कपिल] [मकान] [खेत]

(ग) कपिल मुनि ने उससे आँखें, हाथ, पैर, मुख तथा जीभ माँगी।
[कपिल] [आँखें] [हाथ] [पैर] [मुख] [जीभ]

(घ) उसे बहुत दु:ख हुआ। [दु:ख]

(ङ) राहुल ने परिश्रम करना शुरू कर दिया। [राहुल] [परिश्रम]

राजन शर्मा
सुमन सहगल

जालंधर

8. निम्नलिखित शब्दों में अक्षरों को उचित क्रम में रखकर सही शब्द बनाओ :-

तेड़ागिगिड़	:	गिड़गिड़ाते	जरामहा	:	महाराज
राबघया	:	घबराया	एइलिस	:	इसलिए
तेहचा	:	चाहते	वानभग	:	भगवान
लकपि	:	कपिल	मारकक	:	कमाकर
कानम	:	मकान	हमेतन	:	मेहनत

9. बूझो तो जानें

सफेद रंग की कटोरी में
अंडा देखो काला–काला
खोलो तो देखो सबको
बंद करो तो अंधियारा

तिलक, तमाचा, ताली मुझसे
चित्रकला, लेखन सब मुझसे
ऐसे–ऐसे करतब मैं करता
सारा जग है अचरज करता।

'प' अक्षर से मेरा नाम
चलते रहना मेरा काम
सोच समझ के बच्चो!
तुम बतलाओ मेरा नाम

बत्तीस हैं सिपाही जिसके
है ऐसा एक राजा
आगे लगा हुआ है उसके
महल–सा दरवाजा

स्वाद तुम्हें मैं हूँ बतलाती
छिपकर मैं हूँ मुँह में रहती
मीठा बोलूँ तो नाम कमाऊँ
कड़वा बोलूँ तो मुँह की खाऊँ।

आदि कटे तो राम बन जाता
बीच कटे तो आम बन जाता
थक टूट कर जब घर आते
तब मैं सबको याद आता।

उत्तर : 1. आँख, 2. हाथ 3. पैर 4. मुँह 5. जीभ 6. आराम

राजन शर्मा
सुमन सहगल

जालंधर